SHRI K. NATWAR SINGH: May I request the hon. Member to listen to what I am saying? Let us go to the facts side. (*Interruptions*). May I say ... (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Allow the Minister to complete his reply.

SHRI K. NATWAR SINGH: I do not know why they are getting so much excited about it. I am trying to give facts. We are as concerned as they are. The fact is ... (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: If all of you get up, I will go to the next question. Yes, Mr. Vijaya Mohan Reddy.

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Is it a fact that the American defence experts have been allowed to inspect our defence research stations? If it is so, what is the policy of the Government?

MR. CHAIRMAN: It does not arise out of this question. Next question.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: It has a bearing on this question.

MR. CHAIRMAN: It has a bearing, but does not arise out of this. Next question.

Hijacking of Pan Am Airliner at Karachi

*3. SHRI SHARAD YADAV:†
SHRI YALLA SESI BHUSHANA RAO:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether an authentic and official account of the recent hijacking of the Pan Am airliner at Karachi has been received by Government;

(b) if so, what are the facts and findings thereof; and

(c) what action has been taken by Government in the matter?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Sharad Yadav.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Government have asked the Pakistan Government to provide an authentic and official account of the incident.

श्री शरद यादव : सभापति जी, मंत्री जी का जो जवाब आया है उससे कोई तथ्य सामने नहीं आए हैं। इस सवाल पर हमारे देश के प्रधान मंत्री जी ने हरारे में जो बयान दिया उसके पीछे कई तरह की खबरें थीं—उनको पहले सूचना जनरल जिया से मिली, कर्नल गद्दाफी से मिली। हाई जेकिंग के तत्काल बाद उनके बयान में ये बातें थीं। जनरल जिया ने भी तत्काल बयान दिया। इतनी बड़ी घटना हुई और उसके बाद लगातार कई तरह के बयान आते रहे। हमारे देश के प्रधान मंत्री जी ने जो बयान दिया उस पर बड़ी तीखी प्रतिक्रिया जनरल जियाउलहक साहब की थी कि यह बिल्कुल गलत है और अधकचरा बयान है।

MR. CHAIRMAN: This is a very important question. If you take all the time, others will not get a chance. Therefore, now put the question.

श्री शरद यादव : मेरा मंत्री जी से पूछना है इस बयान की बाबत, हाईजेकिंग की बाबत, मौतों की बाबत और जो असावधानियां हुई उनकी बाबत। ये मौतें जो हुई ये पाकिस्तानी कमांडोज के द्वारा हुई या हाईजैकर्स के द्वारा हुई और हमारी गप्तचर एजेंसीज ने पहले पता लगाया था नहीं या लगाने वाली हैं तो इसकी जानकारी पूरे देश के सामने रखने का काम करेंगे ?

MR. CHAIRMAN: Time up. Yes, Mr. Minister, you can get up and reply to his point. (*Interruptions*). Please sit down.

SHRI K. MOHANAN: How can he answer if he has not completed (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: If you take more than two minutes, I am going to reduce

it to one minute. (*Interruptions*). So many people want to speak and do you want me just to allow one person to put the question and take all the time? If you are not able to put a question in two minutes, you are not eligible to put the question. (*Interruptions*). Now come on Mr. Minister, *whatever you have understood*, you may reply to him.

SHRI K. NATWAR SINGH: If you have not understood him, I am hardly likely to understand it. माननीय सदस्य खुद ही जानते हैं कि इसके बारे में काफी चर्चा अखबारों में हुई है। यह प्रश्न ऐसा नहीं है कि हमारी इंटेलीजेंस एजेंसीज वहां जाकर कुछ करें। असलियत यह है कि जिस रोज यह वाक्या हुआ 5 तारीख को मैं भी प्रधान मंत्री के साथ हरारे में था और जब प्रधान मंत्री ने प्रेसिडेंट जिया से बातचीत की तो मैं भी वहां मौजूद था। ऐसा है कि 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान की जो वहां डेलीगेशन थी उसने तीन-चार मुख्तलिफ बयान इसके बारे में दिए। जो सूचना उन्होंने हमको दी वह हर 4-5 घंटे बाद बदलती रही। हो सकता है कि शायद उनको कुछ पता नहीं हो। मगर हमें यह लगा कि जरूर वहां कुछ जबरदस्त गड़बड़ हुई है और प्रधान मंत्री जी ने दूसरे रोज प्रैस कान्फ्रेंस में अपने ख्यालों का इजहार किया और कहा कि जिस तरह से उन्होंने इसको डील किया है वह ठीक तरीका नहीं है। क्योंकि कभी तो उन्होंने कहा कि कम लोग मरे और कभी कहा कि बहुत ज्यादा लोग मरे हैं। कभी कहा कि ये जो हाईजैकर्ज थे उनमें कोई अरबी बोलता है, कभी कहा कि उर्दू बोलता है फिर कहा कि पता नहीं वे कौन सी जबान बोलते हैं। कभी कहा कि बिजली बंद हो गई थी, फिर कहा कि वह बिजली अपने आप बंद हो गई थी। फिर यह कहा गया कि बिजली हमने बंद नहीं की थी। फिर कहा कि यह जो चार हाइजैकर्ज थे वे चारों के चारों मर गए। फिर खबर मिली कि दो जिंदा हैं और फिर खबर मिली कि चारों जिंदा हैं। तो जो उनकी सरकार ने अलग अलग बयान दिए उससे लगा कि बड़ा जबर्दस्त घपला हुआ है। इसके बारे में जैसे ही हमें पता लगा प्राइम मिनिस्टर ने रंज का इजहार किया और के० सी० पंत तथा जगदीश टाइटलर को वहां भेजा मगर इस दौरान हमारे कुछ साथी लोगों का देहान्त हो गया और खास करके वहां की जो एयर होस्टेस मिश्रा थी उसने बहादुरी से काम किया। जवान उम्र के अन्दर उसका देहान्त हो गया। प्रेजीडेंट जिया ने खुद यह कबूल किया है कि यह जो हुआ है ठीक नहीं हुआ है। जैसे कि आप जानते हैं कि पहले अमरीका और ब्रिटेन से भी इसकी कुछ तारीफ हुई थी कि पाकिस्तान ने इसको अच्छी तरह से डील किया है। मगर जब उनको भी पता लगा तो वहां के कुछ कांग्रेसमैन ने कहा कि यह तो बड़ा घपला हुआ है और पैनम ने अपनी वहां फ्लाइट्स बंद कर दीं और कहा कि वहां हवाई अड्डे का इंतजाम बड़ा खराब है। मैं खुद कराची बहुत बार गया हूं। वहां आसान नहीं है इस तरह से गैर आदमी। का घुस जाना यह कैसे हो सकता है कि चार आदमी उनकी सैक्योरिटी की वर्दी पहनकर जहाज में घुस जाएं और कोई रोक टोक न करें। यह बड़ी अजीब बात है और जो उन्होंने बयान दिए और जो उनके वहां इंचार्ज के बयान थे वे अलग-अलग बयान दिए गए थे। अब जो पाकिस्तान सरकार की एक इन्क्वायरी कमेटी बनी है उसकी टर्मज आफ रेफरेन्स यह है

If I could, with your permission, Sir, read the terms of reference.

MR. CHAIRMAN: You have said that they have set up a committee. Why do you want to go into terms of reference?

SHRI V. GOPALSAMY: The Minister is hijacking us.

MR. CHAIRMAN: Second supplementary.

श्री शरद यादव : सभापति जी, माननीय मंत्री जी से मैं यह जानना चाहता हूं कि इतना अंतर्विरोध इस घटना की जानकारी में है, इसका इस्तेमाल करके चूंकि उसमें फलीस्तीनी लोगों का नाम लिया जा रहा है और उनके साथ लगातार हिन्दुस्तान की सरकार की और लोगों की सहानुभूति रही है, इसलिए क्या इतना बड़ा जघन्य हत्याकांड फलीस्तीनी कर सकते थे या नहीं ? अगर ये फलीस्तीनी लोग नहीं है तो कौन हैं

पाकिस्तान सरकार बराबर इसमें बयान बदलती रही है, इसके पीछे क्या कारण हैं ? इसके पीछे उनकी जो मंशा और मजबूरी है उसको हम अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के लिए इस्तेमाल करके उनको एक्सपोजर करने और बेनकाब करने का काम कर सकते हैं या नहीं ? इसमें जो सच्चाई है, जो हकीकत है कि वहां क्या हुआ, क्योंकि वहां पर हजारों लोग यहां के रिश्तेदार हैं और यहां पर भी उनके रिश्तेदार हैं, तो क्या अभी तक हमारी सरकार को इसकी जानकारी नहीं दी गई ? क्या हमारी सरकार इस घटना की तथ्यों सहित आथेंटिकेट्ड जानकारी देने का काम करेगी या नहीं ? इस घटना के लिए बाकायदा पाकिस्तान सरकार की जो असावधानी है और उसकी जो मजबूरी है यानी इस्लाम और हथियार के बीच में जो दुविधा है क्या उस दुविधा को तोड़ने का काम किया जा सकता है या नहीं?

श्री के० नटवर सिंह : जैसा मैंने अर्ज किया कि अभी हमारे प्राइम मिनिस्टर साहब ने खुद प्रेजीडेंट जिया से इस बारे में बात की और इसके बाद हमारे सिद्धू साहब जो सिविल एविएशन डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी हैं उन्होंने 23 सितम्बर, 1986 को एट द सैशन आफ दी इकाओ जनरल असेंबली इस बात को उठाया जिसके वह प्रेजीडेंट चुने गए थे, आपको पता होगा कि पहली बार 40 साल में हिन्दुस्तानी प्रेजीडेंट चुने गए थे और आपको यह भी पता होगा कि पाकिस्तान में खुद लोगों ने इसकी निंदा की है बेनजीर भुट्टो की पार्टी ने इसकी निंदा की है कि यह बहुत गलत काम हुआ है। अब तक यह पता नहीं लगा है कि जो हाईजैकर्स थे वे कहां से आए । किसी ने कहा कि लीबिया से आए तो प्रधानमंत्री ने गद्दाफी साहब से बातचीत की । उन्होंने कहा कि हमारे आदमी का इससे कोई ताल्लुक नहीं है । फिर प्रधान मंत्री ने अराफात से बातचीत की । उन्होंने कहा कि हमारा इस मामले से कोई ताल्लुक नहीं है । किसी ने यह कबूल नहीं किया । लेकिन बहुत से ग्रुप्स ने कहा कि हमने किया । अब यह तो इंतजार करना पड़ेगा कि इसमें किसका हाथ है, जब इसकी इंक्वायरी पूरी नहीं हो जाती तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता । हम समझते है कि इसकी क्या असलियत है, यह इंक्वायरी पूरी होने पर सामने आ सकेगी ।

MR. CHAIRMAN: Mr. Sesi Bhushana Rao.

श्री शरद यादव : सभापति महोदय, मेरी बात का जवाब नहीं मिला . . .

MR. CHAIRMAN: No, no. Mr. Rao... (*Interruption*)...No, you please sit down. ... (*Interruptions*) ...Nothing will go on record. You please sit down. I am very sorry, you have had a lot of time. Mr. Rao.

SHRI YALLA SESI BHUSHANA RAO: Sir, apart from the bungling, is the Government aware as to which country the hijackers belong to? If it is a friendly country, what are the motives of the hijackers? Is the Government in touch with those countries to see that such dastardly acts are not repeated by their citizens?

SHRI K. NATWAR SINGH: Sir, the question of identity of the hijackers is yet to be determined. A Pakistani Foreign Office spokesman said on 24th September that some individuals, apart from the four persons, were also involved in the incident. The Pakistani authorities, at various points of time, made out that the hijackers were either Lebanese, Palestinians, Libyans or Syrians from Bahrain. There were also reports that some of them were Urdu-speaking. President Zia also made an assertion to the effect that there was a Libyan, but the country from which they come has not been made known to us. We are not in touch with the hijackers. It is the Pakistan Government which is dealing with them. Nobody else is allowed to see them and it is very difficult for us to ascertain which nationality they are of or which country they come from. It is quite obvious that if they come from a friendly country we will take up the matter as the Prime Minister did. He took up the matter immediately with President Gaddafi when he heard that they might be Libyans and with

Mr. Arafat if they could be from PLO. So, the question of any involvement of a friendly country doesn't arise. There may be some particular group, but we again must wait for the outcome of the inquiry that the Government of Pakistan has established.

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : चेयरमैन साहब, मंत्री महोदय ने अपने ब्यान में कहा है कि इस सिलसिले में चर्चा भी अखबारों में आई है, मैं उसमें जाना नहीं चाहता । मैं सीधा सवाल गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि आपके पास कोई आथेंटिक रिपोर्ट आई है ? भारत सरकार के पास कोई इसके बारे में समाचार होना चाहिए । हरारे में प्रधानमंत्री ने बयान दिया पर आपके पास क्या कोई इंफार्मेशन है और आप उस पर क्या कार्यवाही कर रहे हैं ? आपने कह दिया कि वाक्या कराची में हुआ और सरकार वहां जा नहीं सकती । वे इंक्वारी कर रहे है, हिन्दुस्तान नहीं कर रहा है । आपने अमरीका का बयान पढ़ा है कि उनका कहना है कि वहां क्या हुआ है उसको देखते हुए हम अपनी फ्लाइट्स वहां नहीं चलाएंगे जब तक इंक्वायरी खत्म नहीं होती हम क्या कर सकते हैं ?

श्री वी० **सत्यनारायण रेड्डी** : आप हरारे तक जा सकते हैं, पाकिस्तान में कराची तक नहीं जा सकते हैं ?

श्री के. नटवर सिंह : हुजूरेआला, हरारे तक जाना आसान है, पाकिस्तान जाना आसान नहीं है । अटल बिहारी जी से पूछ लीजिए । . . . (**व्यवधान**)

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Sir, the Government of India is totally dissatisfied with the action taken by the Government of Pakistan against the hijackers. At the same time, President Reagan has appreciated Pakistan for "prompt action." I understand that our honourable Prime Minister has written a letter to President Reagan expressing his displeasure. Will the Minister disclose the contents of the letter written by our Prime Minister to Mr. Reagan? I think there is a positive response from President Reagan. Will the Minister give the particulars of the reply from the President also?

SHRI K. NATWAR SINGH: Sir, I will have to ascertain because I haven't seen that particular letter.

SHRI K. MOHANAN: The time is over, Sir.

SHRI NIRMAL CHATTERJEE: What about introduction of new Ministers? (*Interruptions*).

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Our Prime Minister has written a letter to Mr. Reagan.

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is over.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: What is this?

SHRI DIPEN GHOSH: At that time he was Minister of Fertilizers.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Amnesty Scheme for voluntary Disclosures

*4. SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH :
SHRI BHAGAT RAM MANHAR :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have extended the date of the Amnesty Scheme for voluntary disclosure of income;

(b) if so, what is the last date now fixed under the scheme;

(c) whether it is a fact that response towards the above scheme is encouraging; and

(d) if so, what are the details of voluntary disclosures made so far since the introduction of the scheme?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Yes, Sir.